राघव तुम बिन सूनी मोरी नैया | By Jagadguru Shri Rambhadracharya Ji Maharaj |

आवा हो आवा हो आवा हो
आवा हो जग नाव के खिवैयाँ
राघव तुम बिन सूनी मोरी नैया

गहरी गंगा, नाव पुरानी
साथ न संभल, सारथ पानी
अब पवन चलत पुरवैया
राघव तुम बिन सूनी मोरी नैया

आवा हो आवा हो आवा हो
आवा हो जग नाव के खिवैयाँ
राघव तुम बिन सूनी मोरी नैया

तुम्हरे दरस हित अंखियाँ पियासी
नहिं कलसव अवधपुर बासी
मत देर लगावा रघुरैया
राघव तुम बिन सूनी मोरी नैया

आवा हो आवा हो आवा हो
आवा हो जग नाव के खिवैयाँ
राघव तुम बिन सूनी मोरी नैया

सीता–लखन प्रभु पार उतारू
गिरिधर प्रभु भारी नयन निहारू
मैं तो तुमसे न लेबै उतरैया
राघव तुम बिन सूनी मोरी नैया

आवा हो आवा हो आवा हो
आवा हो जग नाव के खिवैयाँ
राघव तुम बिन सूनी मोरी नैया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%98%e0%a4%b5-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%a8-%e0%a4%b8%e0%a5%82%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a5%88%e0%a4%af/